रिपोर्ट
विद्या आश्रम कार्यकारिणी की बैठक

26 मई 2019 दोपहर 4 बजे से

विद्या आश्रम परिसर, सारनाथ, वाराणसी

विद्या आश्रम परिसर पर दिनांक 26 मई को विद्या आ श्रम कार्यकारिणी की बैठक हुई. आश्रम समन्वयक चित्रा सहस्रबुद्धे ने बैठक की अध्यक्षता की. इस बैठक में चर्चा का मुख्य मुद्दा विद्या आश्रम के लिए वर्ष 2019 – 20 के लिए प्रस्तावित कार्य योजना रही. समिति के सभी सदस्यों को बैठक के निमंत्रण के साथ ही प्रस्तावित कार्य योजना का प्रारूप 29 अप्रैल 2019 को ई-मेल से भेज दिया था ताकि सभी के ठोस सुझाव समिति के सामने आ सकें. कृष्णराजुलु ने एक मेल लिख कर आग्रह किया था कि लोकविद्या समाज की एकता सबसे बड़ा सवाल है और लोकविद्या धर्म के विचार और अभ्यास के जरिये आगे बढ़ने पर सोचा जाना चाहिए.

बैठक में कार्य योजना को अंतिम रूप दिया गया जो संलग्न है.

23 मई को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद बैठक में सभी सदस्यों ने यह तीव्रता से महसूस किया कि लोकविद्या समाज की बृहत् एकता के प्रश्न को सामने रख कर कार्यक्रमों, विचारों और उनके अमल पर ध्यान दिया जाना चाहिए. सत्य, संवेदना, सहजीवन तथा न्याय जैसे मूल्यों को तरजीह देने वाले दर्शन को समाज में पुनर्स्थापित करने के प्रयासों को तेज़ करना होगा. इस दिशा में लोकविद्या को ज्ञान का दर्जा मिले और लोकविद्या पर आधारित कार्यों के लिए सरकारी कर्मचारी के बराबर आमदनी हो, इन दो मुद्दों को सामने लाने वाली गतिविधियों पर जोर दिया जाए. बैठक की कार्यवाही नीचे दी जा रही है.

बैठक में लक्ष्मण प्रसाद, प्रेमलता सिंह उपस्थित रही. एहसान अली बीमार होने के चलते नहीं आ पाए.

कार्यवाही :

1. वर्ष 2014 से प्रति वर्ष विद्या आश्रम वाराणसी में गंगाजी के तट पर कारीगर किसान पंचायत आयोजित करता रहा है. शरद पूर्णिमा के दिन बहुधा ये पंचायतें होती रही हैं. इन पंचायतों की तैयारी में गांवों और कारीगर बस्तियों में ज्ञान पंचायतें आयोजित की जाती रही हैं. ये पंचायतें लोकविद्या समाज की एकता को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं. यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष भी यह पंचायत आयोजित की जाए और अन्य प्रदेशों से भी भागीदारी के प्रयास हों. लक्ष्मण प्रसाद और फ़ज़लुर्रहमान अंसारी सुनीलजी के साथ बैठकर 10 जून के पहले इस पंचायत का खाका बनाएंगे.
2. कारीगर नज़रिया अखबार को प्रतिमाह प्रकाशित किया जायेगा. यह राय बनी कि कारीगर नजरिया अख़बार और कारीगर किसान पंचायत परस्पर एक दूसरे को बल देते हैं. इस अखबार का वितरण गांवों और कारीगर बस्तियों के साथ कबीर, रविदास आदि संतों के स्थानों पर, सभी कारीगर बिरादरियों के पंचायत प्रमुखों, आइ.टी.आइ. जैसी संस्थाओं तक पहुँचाने का प्रयास हो.
3. लोकविद्या जन आन्दोलन के लिए 2019 - 20 की कार्य योजना में प्रस्तावित कार्यों पर सहमति बनी. यह भी महसूस किया गया कि लोकविद्या भाईचारा विद्यालय पुस्तकमाला के लिए भी एक पुस्तिका बनायीं जानी चाहिए.

4. बैठक को इस बात से अवगत कराया गया कि दर्शन अखाड़ा के लिए प्रस्तावित कार्यों को आकार दिया जा रहा है. पुस्तकालय बनाने की शुरुआत हो गई है. वहां कार्यकताओं का जाना भी नियमित हो रहा है. निरन्तर बैठकें और कला प्रस्तुतियां हों इस दिशा में प्रयास शुरू हो गए हैं.
5. कई वर्षों से लोकविद्या दर्शन और कला दर्शन पर आश्रम के सदस्यों के बीच चर्चा होती रही है. विद्या आश्रम में एक कला स्थान के निर्माण की आवश्यकता महसूस की जाती रही है. इस बैठक में ऐसे स्थान के निर्माण पर विस्तार से चर्चा हुई और इसको बनाने पर सहमति बनी. जून अंत तक इस स्थान का कुछ आकार खड़ा नज़र आने लगेगा. आश्रम वासी अन्जुदेवी इस कार्य में चित्राजी के साथ सहयोग में रहेंगी.
6. बैठक में आश्रम परिसर में नवीन निर्माण की आवश्यकता को रखा गया. जिसके लिए निम्नलिखित निर्माण कार्यों पर सहमति बनी
    - आश्रम में मोटर रखने के लिए एक शेड
    - कला कार्य करने के लिए एक कमरा
    - अतिथि गृह का पुनर्निर्माण
    - आश्रमवासी कमलेश और अन्जुदेवी का परिवार वर्तमान रसोई वाले घर में स्थान्तरित किया जायेगा और एक नये रसोईघर का निर्माण होगा.
    - सभा स्थान की ज़मीन को समतल करना
    - भवनों की सफेदी/पेंट
7. कार्य योजना 2019 – 20 का जो प्रारूप सदस्यों को भेजा गया था उसमें आपसी विचार के बाद कुछ संशोधन किये गए हैं. अंतिम रूप संलग्न है.

चित्रा सहस्रबुद्धे